श्रीमती एम.एम.के. वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र महाविद्यालय

प्रथम इकाई कृति पत्रिका - २०१८

विषय - हिंदी

कक्षा - १२वीं　　अंक - २५

दिनांक - २८/०८/२०१८　　समय - १घंटा

सूचना-

सूचना के अनुसार गद्य, पद्य की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखिए।

प्र. १) क) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए। (२)

१) संजाल पूर्ण कीजिए-

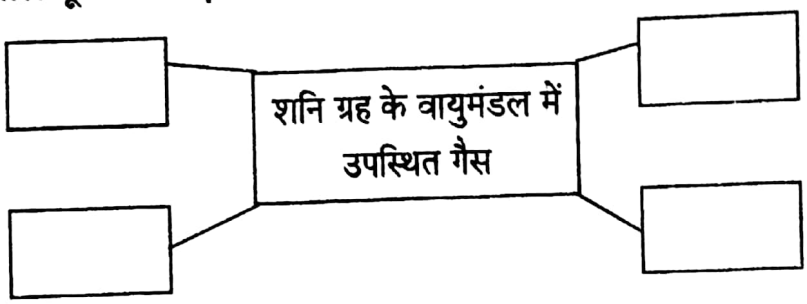

शनि ग्रह अत्यंत मंद गति से, करीब तीस वर्षों में सूर्य का एक चक्कर लगाता है, इसलिए साल-भर के अंतर के बाद भी आकाश में शनि की स्थिति में कोई विशेष परिवर्तन नहीं दिखाई देता। यह एक राशि में करीब ढाई साल तक रहता है।

शनि ग्रह सूर्य से हमारी अपेक्षा करीब दस गुना अधिक दूर है, इसलिए बहुत कम सूर्यताप उस ग्रह तक पहुँचता है–पृथ्वी का मात्र सौवाँ हिस्सा। इसलिए शनि के वायुमंडल का तापमान शून्य के नीचे १५० सेंटीग्रेड के आसपास रहता है। शनि एक अत्यंत ठंडा ग्रह है।

बृहस्पति की तरह शनि का वायुमंडल भी हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन तथा एमोनिया गैसों से बना है। शनि के सतह के बारे में कोई जानकारी नहीं है। हम केवल इसके चमकीले बाहरी वायुमंडल को ही देख सकते हैं। शनि के केंद्र भाग में ठोस गुठली होनी चाहिए। लेकिन चंद्रमा, मंगल या शुक्र की तरह शनि की सतह पर उतर पाना आदमी के लिए संभव नहीं होगा।

अभी दो दशक पहले तक शनि के दस उपग्रह खोजे गए थे। लेकिन अब शनि के उपग्रहों की संख्या १७ पर पहुँच गई है। धरती से भेजे गए स्वचालित अंतरिक्षयान पायोनियर तथा वायजर शनि के नज़दीक पहुँचे और इन्हीं के जरिए इस ग्रह के सात नए उपग्रह खोजे गए। शनि के और भी कुछ चंद्र हो सकते हैं।

शनि को सबसे बड़ा चंद्र टाइटन, सौरमंडल का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण और दिलचस्प उपग्रह है। टाइटन हमारे चंद्र से भी काफी बड़ा है। इसका व्यास ५१५० किलोमीटर है। अभी कुछ साल पहले तक

Scanned by CamScanner

टाइटन को ही सौरमंडल का सबसे बड़ा उपग्रह है।

२) कारण लिखिए- (२)

१) साल भर के अंतर के बाद भी आकाश में शनि की स्थिति में विशेष परिवर्तन न होना-

२) शनि ग्रह का अत्यंत ठंडा होना-

३) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में प्रयुक्त शब्द लिखिए- (२)

१) लगभग २) सबसे अधिक

३) बदलाव ४) निकट

प्र.१) ख) ८० से १०० शब्दों में उत्तर लिखिए। (केवल १) (४)

१) 'युवाओं से' पाठ का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

२) बुआ जी के घर का वातावरण कैसा था? वर्णन कीजिए।

प्र.२) ग) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

१) कृति पूर्ण कीजिए। (२)

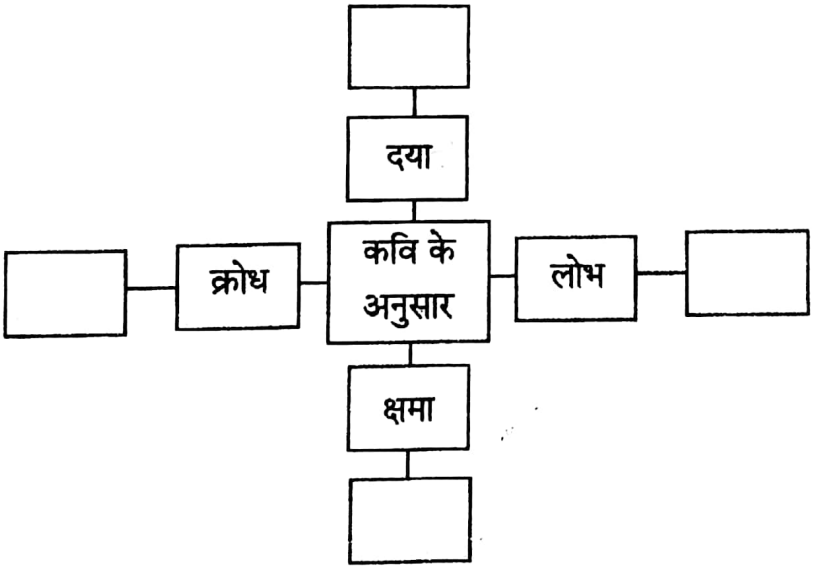

पाहन पूजे हरि मिलैं, तो मैं पूजूँ पहार।
ताते यह चाकी भली, पीस खाय संसार।।
जहाँ दया तहँ धर्म है, जहाँ लोभ तहँ पाप।
जहाँ क्रोध तहँ काल है, जहाँ छिमा तहँ आप।।

२) प्रथम दोहे का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए। (२)

प्र.२) घ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

Scanned by CamScanner

१) उचित जोड़ियाँ बनाइए- (२)

अ	आ
चंदन	.....
.....	चकोर पक्षी
दीपक	.....
.....	दास

अब कैसे छूटै राम रट लागी।
प्रभु जी तुम चंदन हम पानी,
जाकी अंग-अंग बास समानी।
प्रभु जी तुम घन बन, हम मोरा,
जैसे चितवत चंद चकोरा।
प्रभु जी तुम दीपक, हम बाती,
जाकी जोति बरै दिन राती।
प्रभु जी तुम मोती, हम धागा,
जैसे सोने मिलत सुहागा।
प्रभु जी स्वामी हम दासा,
ऐसी भगति करै रैदास।।

२) निम्नलिखित पंक्तियों को पूर्ण कीजिए- (२)

जाकी अंग-अंग .....,
....., हम धागा,
जैसे सोने .....,
....., करै रैदास।।

३) प्रस्तुत कविता का भावार्थ लिखिए। (२)

प्र.३) १) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं तीन के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए- (३)

१) पैरों पर खड़ा होना
२) रूह काँपना
३) चकित हो जाना
४) तरस आना

२) निम्नलिखित शब्दों के भाववाचक संज्ञा रूप लिखिए- (१)

१) चतुर
२) सेवक

३) निम्नलिखित शब्दों के विशेषण रूप लिखिए- (१)

१) स्वभाव
३) चमक

.... समाप्त ....

Scanned by CamScanner